Roll No. .....

500 -/4/10/10

LDN-05

July – August 2022

LL. B. (Hons.) I Semester Examination

GENDER JUSTICE AND FEMINIST JURISPRUDENCE

PAPER V

Time 3 Hours] [Max. Marks 100

[Min. Marks 40

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिये 60 मिनिट अतिरिक्त समय की अनुमति है।

Answer any five questions. All questions carry equal marks. The blind candidates will be given 60 minutes extra time.

1. लैंगिक न्याय से आप क्या समझते हैं ? भारत में सामाजिक सुधार आन्दोलनों को इस परिप्रेक्ष्य में समझाइए।
What do you mean by Gender Justice ? Discuss Social Reform Movement in India in this context.

2. "श्रम तथा रोजगार विधियां लिंग निरपेक्ष, संरक्षी और सुधारात्मक है।" विधान के उपयुक्त उपबन्धों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
"Labour and Employment Laws are Gender Neutral, Protective and Corrective." Briefly describe the suitable provisions of legislation.

3. नारियों के विरूद्ध भेदभाव के उन्मूलन हेतु यू. एन. कन्वेंशन नारियों के मानव अधिकारों हेतु एक अनुनादी, गतिशील और जीवन्त लिखत है। व्याख्या कीजिए।
U. N. Convention for Elimination of Discrimination Against Women (CEDAW) is a vibrant, dynamic and living instrument for the Human Rights of Women. Elaborate.

4. भारतीय दण्ड संहिता ऊपरी तौर से लिंग निरपेक्ष प्रतीत होती है किन्तु स्त्रियों सम्बन्धित इसके उपबंधों का गहनतर विश्लेषण लिंग सम्बन्धी पक्षपात दर्शाता है। भारतीय दण्ड संहिता के सुसंगत उपबंधों का हवाला हेतु उक्त कथन की व्याख्या कीजिए।
Indian Penal Code seems apparently to be gender neutral, but deeper analysis of its provision relating to women reveals the gender bias. Elaborate the statement citing relevant provisions of IPC.

5. "लैंगिक न्याय का उदारवादी सिद्धान्त पुरुषों तथा स्त्रियों को समान रूप से सार्वजनिक जीवन के द्वार खोलता है किन्तु उत्पीड़न की संरचनात्मक लक्षणों को अपेक्षित नहीं करता है।" व्याख्या कीजिए।
"Liberal Theory of Gender Justice seeks to open up public life equally to men and women but doesn't challenge the structural factors of oppression." Elucidate.

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
   (अ) समानता का अधिकार एवं दाम्पत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना
   (ब) समान नागरिक संहिता।
   Write short note on the following :
   (a) Right to Equality and Restitution of Conjugal Rights
   (b) Uniform Civil Code.

7. "स्त्रियों की अधीनता तथा उत्पीड़न सार्वजनिक तथा सर्वव्यापक है।" लैंगिक न्याय के अध्ययन की आवश्यकता को उजागर करते हुए उक्त कथन का विश्लेषण कीजिए। भारत में लैंगिक न्याय के बारे में एक अवलोकन प्रस्तुत कीजिए।
"Women's subordination and oppression happened to be universal and all pervasive." Analyse the statement highlighting the need for the study of Gender Justice. Briefly outline an overview of Gender Justice in India. https://www.davvonline.com

8. विभिन्न वादों का उल्लेख करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को नारीवादी विधिशास्त्र के सम्बन्ध में समझाइए।
Discuss the role of the Supreme Court in context of Feminist Jurisprudence with relevant case laws.

9. हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 ने किस प्रकार लैंगिक विभेद को समाप्त किया है ? समझाइए।
How Hindu Succession (Amendment) Act, 2005 has ended the Gender Discrimination ? Discuss.

10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
    (अ) तलाक की स्थिति में सम्पत्ति का विभाजन
    (ब) मुस्लिम विधि में भरण-पोषण एवं भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता में तलाकशुदा पत्नी का भरण-पोषण।
    Write short notes on the following :
    (a) Division of Assets on Divorce
    (b) Maintenance under Muslim Law and Maintenance of Divorced Wife under Criminal Procedure Code.

-/4/10/10

https://www.davvonline.com